

Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023

Section 1. Short title, commencement and application

(1) इस section में सबसे पहले BNS के नाम के बारे में बताया गया है। इस कानून का नाम Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 है।

(2) BNS उस तारीख से लागू होगी जिसे Central Government Official Gazette में notification जारी करके निर्धारित करेगी। इसके अलग-अलग provisions को अलग-अलग तारीखों से भी लागू किया जा सकता है।

(3) भारत के भीतर यदि कोई व्यक्ति ऐसा act या omission करता है जो BNS के provisions के विरुद्ध है और जिसके लिए वह guilty है, तो वह BNS के अंतर्गत punishment के लिए liable होगा।

(4) यदि भारत में लागू किसी law के अनुसार किसी व्यक्ति पर भारत के बाहर किए गए offence का India में trial हो सकता है, तो उस व्यक्ति के साथ BNS के अनुसार उसी तरह व्यवहार किया जा सकता है जैसे वह offence भारत के भीतर किया गया हो।

(5) BNS कुछ परिस्थितियों में भारत के बाहर किए गए offences पर भी लागू होती है। इसमें मुख्य रूप से तीन स्थितियां शामिल हैं।

(a) पहली, जब कोई Indian citizen भारत के बाहर किसी स्थान पर offence करता है।

(b) दूसरी, जब कोई व्यक्ति India में registered ship या aircraft पर offence करता है, चाहे वह ship या aircraft किसी भी स्थान पर हो।

(c) तीसरी, जब भारत के बाहर मौजूद कोई व्यक्ति India में स्थित किसी computer resource को target करके offence करता है।

Explanation

इस section में “offence” शब्द का अर्थ केवल भारत के भीतर किया गया offence नहीं है। इसमें ऐसा act भी शामिल है जो India के बाहर किया गया हो और यदि वही act India में किया जाता, तो BNS के अंतर्गत punishable होता।

Simple Explanation

Section 1 यह बताती है कि BNS का नाम क्या है, यह कब लागू होगी और किन परिस्थितियों में इसका application होगा। सामान्य रूप से भारत में किया गया offence BNS के अंतर्गत आएगा। लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में भारत के बाहर किया गया offence भी BNS के अंतर्गत आ सकता है।

Section 3. General explanations

(1) BNS में दिए गए offences की definitions, penal provisions और उनके illustrations को "General Exceptions" वाले Chapter के provisions के साथ पढ़ा जाएगा। इसका मतलब है कि किसी provision में General Exception को अलग से दोहराया न गया हो, फिर भी यदि किसी मामले में General Exception लागू होता है, तो उसका लाभ उस provision पर मिलेगा।

इसलिए किसी act को केवल इसलिए offence नहीं माना जाएगा कि वह किसी penal provision के अनुसार offence की definition में आता है। यह भी देखना जरूरी होगा कि उस act पर कोई General Exception लागू है या नहीं।

(2) BNS के किसी भी Part में किसी expression का meaning यदि BNS के किसी अन्य Part में Explanation के द्वारा स्पष्ट किया गया है, तो उस expression को पूरे BNS में उसी Explanation के अनुसार समझा जाएगा।

अर्थात्, किसी expression का meaning एक जगह स्पष्ट किया गया है, तो BNS के दूसरे provisions में भी उस expression का वही meaning लिया जाएगा, जब तक context से कोई अलग meaning स्पष्ट न हो।

(3) यदि किसी व्यक्ति की property उसके spouse, clerk या servant के possession में उस व्यक्ति की ओर से या उसके behalf पर है, तो BNS के लिए वह property उसी व्यक्ति के possession में मानी जाएगी।

इसका अर्थ है कि property physically किसी दूसरे व्यक्ति के पास होने के बावजूद, यदि वह व्यक्ति उसे owner या संबंधित व्यक्ति की ओर से रख रहा है, तो legal purpose के लिए property का possession उसी व्यक्ति का माना जाएगा।

Explanation

यदि कोई व्यक्ति temporary रूप से या किसी particular occasion के लिए clerk या servant के रूप में काम कर रहा है, तो इस sub-section के लिए उसे भी clerk या servant माना जाएगा।

(4) BNS के किसी भी Part में, जहां context से इसके विपरीत intention स्पष्ट नहीं होती, वहां किसी act को refer करने वाले words में illegal omission भी शामिल माना जाएगा।

अर्थात्, जहां किसी provision में किसी act को करने की बात कही गई है, वहां कुछ परिस्थितियों में किसी legally required काम को illegal तरीके से न करना भी उस act के reference में शामिल हो सकता है।

(5) जब कोई criminal act कई persons द्वारा सभी की common intention को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है, तो उस criminal act में शामिल प्रत्येक व्यक्ति उस act के लिए उसी प्रकार liable होगा जैसे उसने वह act अकेले किया हो।

इसमें मुख्य बात common intention है। यदि कई persons किसी criminal act को एक common intention के साथ करते हैं, तो केवल इस आधार पर कोई व्यक्ति liability से नहीं बच सकता कि उसने criminal act अकेले नहीं किया था।

(6) जब कोई act केवल इसलिए criminal है क्योंकि उसे criminal knowledge या criminal intention के साथ किया गया है, और उस act को कई persons करते हैं, तो जो व्यक्ति उस act में उसी criminal knowledge या intention के साथ शामिल होता है, वह उस act के लिए उसी प्रकार liable होगा जैसे उसने वह act अकेले उसी knowledge या intention के साथ किया हो।

अर्थात्, यदि किसी act को offence बनाने के लिए particular knowledge या intention आवश्यक है, तो उस act में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के पास भी वह required knowledge या intention होना महत्वपूर्ण है।

(7) जहां किसी particular effect को किसी act या omission से cause करना, या उस effect को cause करने का attempt करना, offence है, वहां यदि वह effect कुछ हिस्सा act से और कुछ हिस्सा omission से cause होता है, तो उसे उसी offence के रूप में माना जाएगा।

अर्थात्, किसी offence का परिणाम केवल एक act से होना जरूरी नहीं है। यदि वही परिणाम किसी act और illegal omission दोनों के combination से होता है, तो उसे अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। यदि कानून के अनुसार वह परिणाम offence है, तो act और omission दोनों मिलकर उसी offence को constitute कर सकते हैं।

(8) जब कोई offence कई acts के माध्यम से किया जाता है, तो जो व्यक्ति उन acts में से किसी एक act को जानबूझकर करके उस offence के commission में cooperate करता है, वह उस offence के लिए guilty हो सकता है।

इसमें यह जरूरी नहीं है कि व्यक्ति ने offence को पूरा करने वाले सभी acts स्वयं किए हों। यदि offence कई acts से मिलकर बनता है और व्यक्ति ने उनमें से किसी एक act को intentionally करके offence को पूरा करने में cooperation किया है, तो वह उस offence के लिए liable हो सकता है।

(9) जब कई persons किसी criminal act को करने में engaged या concerned होते हैं, तो उस एक criminal act के माध्यम से वे अलग-अलग offences के guilty हो सकते हैं।

अर्थात्, एक ही criminal act में शामिल सभी persons पर जरूरी नहीं कि एक ही offence लागू हो। उनके अलग-अलग acts, intention, knowledge और circumstances के आधार पर उनकी criminal liability अलग-अलग हो सकती है।

Hindi Law Shorts

Simple Explanation

Section 3 BNS में criminal provisions को समझने के कुछ general principles बताती है। सबसे पहले, किसी offence को समझते समय General Exceptions को ध्यान में रखना जरूरी है। इसके बाद यह section बताती है कि किसी expression का meaning BNS में जहां explain किया गया है, वहां पूरे BNS में उसी meaning के अनुसार समझा जाएगा।

यह section possession से संबंधित एक महत्वपूर्ण rule भी देती है, जिसके अनुसार किसी व्यक्ति की property उसके spouse, clerk या servant के पास होने पर भी कुछ परिस्थितियों में उसे उसी व्यक्ति के possession में माना जाएगा।